प्रो. नरेन्द्र सिंह राठौड़

माननीय कुलपति

प्रतिवेदन

27 वाँ दीक्षान्त समारोह

21 दिसम्बर, 2019

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

मंचासीन महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय श्रीमान् कलराज मिश्र जी, राजस्थान प्रदेश के यशस्वी उच्च शिक्षा मंत्री श्री भंवर सिंह जी भाटी, आदरणीय प्रो. अविनाश चन्द्र पांडेय जी, निदेशक, अन्तर-विश्वविद्यालय त्वरक केन्द्र, नई दिल्ली।

विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल एवं अकादमिक परिषद् के सदस्यगण, अतिथिगण, संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय के कुलसचिव, शैक्षणेतर कर्मचारीगण, उपस्थित विद्वज्जन, शिक्षाविद, गण्य-मान्य नागरिक बंधुओ, छात्रसंघ के पदाधिकारी, प्रिय विद्यार्थियो एवं उनके अभिभावकगण !

आप सभी का विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत समारोह में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन।

यह हमारे लिए अत्यंत गौरव और गरिमापूर्ण है कि विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षान्त समारोह में महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति हमारे मध्य विराजमान हैं। आपके अनुकरणीय मार्गदर्शन, गरिमापूर्ण नेतृत्व, शैक्षणिक अनुराग के द्वारा हमें निरन्तर प्रोत्साहन और प्रेरणा प्राप्त होती है। उच्च शिक्षा के योजनाबद्ध विकास और विस्तार के लिए आपकी प्रतिबद्धता और रचनात्मक ऊर्जा आज प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों को उत्तरोत्तर प्रगति के लिए संकल्पित और प्रेरित कर रही है। उच्च शिक्षा के लिए विकास की समस्त संभावनाओं को लेकर आपके प्रेरणादायक विचार हमें सतत अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ाते हैं।

किसी भी विद्यार्थी के जीवन में दीक्षा का महनीय पर्व ज्ञान और कर्म की संधि वेला का महोत्सव होता है। हमारे दीक्षित विद्यार्थी अपने देश, समाज और परिवार के लिए सर्वात्मना समर्पित होकर उत्तरोत्तर प्रगति करें तथा जीवन में सफलता और सार्थकता के सोपान का आरोहण करें, ऐसी मेरी हृदय के अंत:स्थल से शुभकामनाएँ हैं।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय भारत के उच्च शैक्षणिक जगत में अपना विशेष स्थान रखता है। इस विश्वविद्यालय में चार संघटक महाविद्यालयों और 180 से अधिक संबद्ध महाविद्यालयों में डेढ़ लाख से अधिक विद्यार्थी विभिन्न संकायों एवं ज्ञानानुशासनों में अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय ने विभिन्न शैक्षणिक प्रवृत्तियों, उपलब्धियों और नवाचारों से उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपने विशिष्ट स्थान को कायम रखा है। शैक्षणिक और सहशैक्षणिक दोनों ही दृष्टियों से विश्वविद्यालय की अनेक उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हमने परम्परा और आधुनिकता दोनों को अंगीकार किया है। आधुनिक सूचना-तकनीकी के सहयोग से शिक्षा के परिदृश्य में मौजूद सम्भावनाओं का हम अनुकूलतम लाभ उठाने का प्रयत्न कर रहे हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा में वृद्धि के लिए विश्वविद्यालय परिवार निरन्तर अग्रेसर है। शैक्षणिक दृष्टि से गुणात्मक सुधार के लिए हमारे प्रयत्न सफल रहे हैं। हम अपने विद्यार्थियों को नवीनतम पाठ्यचर्या, ई-लर्निंग की सुविधाएँ प्रदान

कर रहे हैं। साथ ही उनके संस्थान में प्रवेश से लेकर प्रस्थान पर्यन्त समस्त प्रक्रियाओं को सूचना-प्रौद्योगिकी के सहयोग से संपादित कर रहे हैं।

भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के 2019 सूचीकरण क्यू.एस. रेंकिंग में विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एन.आई. आर.एफ. (National Institutional Ranking Framework) में निरन्तर स्थान कायम रखा है। इस वर्ष भी हम विश्वविद्यालय के अच्छे स्थान की उम्मीद रखते हैं। हमारा विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) के तृतीय आवृत्ति परीक्षण हेतु भली प्रकार से तैयार है। इस विश्वविद्यालय की लगभग ढाई लाख उपाधियाँ नेशनल एकेडेमिक डिपोजिटरी में संरक्षित हैं। मुझे आपको यह निवेदन करते हुए प्रसन्नता है कि इस वर्ष विश्वविद्यालय ने विभिन्न संस्थाओं के अनुदान से 26 शोध परियोजनाएँ पूर्ण की हैं जिनके लिए 169 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। हाल ही में पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. देवेन्द्र सिंह राठौड़ को डिपार्टमेन्ट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार ने एस.ई.आर.बी. योजना के तहत शोध के लिए 35 लाख रुपये का शोध अनुदान स्वीकृत किया है।

इस वर्ष हमारे विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में अनेक विभागों द्वारा अकादमिक महत्त्व के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय के अनेक योग्य और विद्वान शिक्षकों ने अपने विषय और विशेषज्ञता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। इन्होंने अपनी विद्वत्ता और कौशल से प्रदेश, देश और संसार के अकादमिक जगत को लाभान्वित किया है।

मुझे यह बताते हुए हार्दिक प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय के दृश्यकला विभाग द्वारा अन्तरराष्ट्रीय मल्टीमीडिया कला शिविर 'स्प्रिंग उदयपुर-2019' का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत पाँच दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय चित्रकार शिविर और दस दिवसीय स्क्रेप मूर्तिकार शिविर का आयोजन महत्त्वपूर्ण रहा। इसी विभाग ने अन्तरराष्ट्रीय जनजातीय और लोक-कला कार्यशाला 'लोकलोर-2019' का भी आयोजन किया। दृश्यकला विभाग की छात्रा तुलसी खोखर को राजस्थान ललित कला अकादमी ने राज्य कलाकार सम्मान से नवाजा। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग की ओर से समाजविज्ञान के क्षेत्र में शोध नैतिकता और ई-संसाधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उर्दू विभाग ने 'अहदे हाजिर में इकबाल की समाजी मानवीयत' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। जैनोलोजी और प्राकृत विभाग ने 'जैन विद्या और प्राकृत पत्रकारिता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा विभिन्न व्याख्यानों का भी आयोजन किया। लोक प्रशासन विभाग ने सुशासन और अनुसूचित क्षेत्र की पंचायतीराज संस्थाओं पर तीन दिवसीय टी.ओ.टी. कार्यक्रम का आयोजन किया। भूगोल विभाग द्वारा भू-स्थानिक तकनीकी पर 21 दिवसीय नेशनल विंटर-स्कूल का आयोजन किया गया। मनोविज्ञान विभाग ने इस सत्र में अनेक आयोजन किए जिनमें केरियर काउंसलिंग

प्रशिक्षण, इंटेंसिव क्लिनिकल ट्रेनिंग, क्रोध प्रबंधन कार्यशाला तथा मानसिक-स्वास्थ्य और प्रसन्नता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी महत्त्वपूर्ण है। अंग्रेजी विभाग द्वारा 'बोर्डर्स एंड स्पेसेज : रिकेलिबरेटिंग इंडियन डायस्पोरा इन द 21 सेंचुरी' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पत्रकारिता और जनसंचार विभाग ने अन्तरराष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया जिसमें देश-विदेश के अनेक मीडिया शिक्षकों और पत्रकारों की सहभागिता रही।

विश्वविद्यालय के फार्मेसी विज्ञान विभाग ने इंटरनेशनल ब्रेन रिसर्च ऑरगेनाइजेशन, फ्रांस के साथ न्यूरो-साइंस की कार्यशाला का आयोजन किया तथा मोनाश विश्वविद्यालय, मलेशिया के साथ अकादमिक आदान-प्रदान हेतु एम.ओ.यू. किया है। विश्व फार्मेसी दिवस पर रक्तदान और नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रबंध अध्ययन संकाय ने इस वर्ष प्रबंध शिक्षण के नवीन आयामों पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। साथ ही गुणात्मक अनुसंधान के क्षेत्र में भी विशिष्ट कार्यशाला का आयोजन किया। प्रबंध अध्ययन संकाय में विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सहशैक्षणिक कौशल विकास तथा व्यक्तित्व विकास पर केन्द्रित कई आयोजन सम्पन्न हुए। प्रबंध अध्ययन संकाय में विशिष्ट विद्वानों द्वारा विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए 20 से अधिक व्याख्यान आयोजित हुए।

मुझे यह भी निवेदन करते हुए हर्ष है कि हमारे यहाँ के विधि संकाय द्वारा 'नि:शुल्क विधिक सहायता केन्द्र' की स्थापना की गई है। विधि महाविद्यालय द्वारा चीरवा गाँव को गोद लेकर वहाँ विधिक जागरूकता और विधिक सेवा शिविर के आयोजन किए हैं। विधि महाविद्यालय में अत्याधुनिक वातानुकूलित ए.आई.आर. ई-लाइब्रेरी की स्थापना की गई है जिसमें अद्यतन न्यायिक निर्णय और हजारों ग्रंथ उपलब्ध हैं। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति श्री दिनेश माहेश्वरी और राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री संदीप मेहता ने महाविद्यालय में विशिष्ट व्याख्यान दिए हैं।

विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा क्षेत्र के विभिन्न गाँवों में 10 कार्यशालाएँ आयोजित की गई। साथ ही महिला-सशक्तीकरण की दिशा में जागरूकता के लिए व्याख्यान, प्रतियोगिताएँ, शिविर आदि के आयोजन सम्पन्न किए गए। कौशल आमुखीकरण कार्यक्रम 'मणिकर्णिका' का आयोजन भी उल्लेखनीय रहा।

विभिन्न संकाय और विभागों के हमारे प्रतिभावान शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, इंडियन काउन्सिल ऑफ सोसियल साइंस रिसर्च आदि अनेक संस्थाओं से डॉक्टरल और पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान के लिए अध्येतावृत्तियाँ अर्जित की हैं।

मुझे यह निवेदन करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि जैनविद्या और प्राकृत विभाग के हमारे शिक्षक साथी डॉ. सुमत कुमार जैन को इस वर्ष 'महर्षि बादरायण व्यास राष्ट्रपति सम्मान' से अलंकृत किया गया है। इसी वर्ष संस्कृत विभाग के प्रो. नीरज शर्मा को प्राचीन भारतीय कृषि परम्परा पर विशिष्ट अनुसंधान के लिए राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने डी.लिट. की सर्वोच्च अकादमिक उपाधि से विभूषित किया है। यह उपाधि एक दिन पूर्व ही राजस्थान विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में माननीय के करकमलों द्वारा प्रदान की गई है। अंग्रेजी विभाग की प्रो. सीमा मलिक ने सितम्बर-अक्टूबर, 2019 में एम.एच.आर.डी. द्वारा आयोजित अकादमिक नेतृत्व कार्यक्रम (LEAP) में भाग लिया। विश्वविद्यालय के भौतिक-विज्ञान विभाग के शोधार्थी रहे डॉ. सुभाष चंद्र का अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा 2019 सी.ए.एस. फ्यूचर लीडर के रूप में चयन हुआ। इसी विभाग के शोधार्थी हिमांशु को सूचना तकनीकी विभाग की नोबल लोरियेट मीट 2020 में सहभागिता के लिए चयनित किया गया है। वाणिज्य संकाय के प्रो. जी. सोरल इस वर्ष भारतीय लेखा संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त हुए हैं। प्रो. सूर्यवीर सिंह भाणावत राष्ट्रीय लेखा प्रतिभा खोज के वार्षिक कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किए गए हैं। विभाग ने अनेक रोजगारमूलक कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं।

इसी वर्ष मोहनलाल सुखाड़िया स्मृति व्याख्यान 'वर्तमान समय के परिप्रेक्ष्य में बुद्धिजीवियों की भूमिका' विषय पर आयोजित हुआ जिसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रो. आर.एस. निर्जर ने मुख्य वक्ता के रूप में अपना उद्‌बोधन दिया।

शिक्षा के साथ-साथ सहशैक्षणिक प्रवृत्तियों और खेलकूद गतिविधियों में भी हमारा विश्वविद्यालय देश में अग्रणी है। हमारे उत्साही और परिश्रमी खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय सफलताएँ प्राप्त की हैं। विश्वविद्यालय की छात्रा सोनल सुखवाल ने 'अखिल भारतीय अन्तर-विश्वविद्यालय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता' में रजत पदक प्राप्त किया और इटली में आयोजित 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स' में भारतीय विश्वविद्यालय टीम का प्रतिनिधित्व किया। विश्वविद्यालय की कयाकिंग और केनोइंग पुरुष और महिला टीमों ने अन्तर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में तीन रजत और छः कास्यपदक अर्जित किए हैं। हमारे खिलाड़ी जिम्नास्टिक, मुक्केबाजी और शतरंज की अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता रहे हैं। विश्वविद्यालय क्रीड़ा मंडल के सदस्य डॉ. दीपेन्द्र सिंह चौहान चीन में आयोजित पाँचवी एशियन ड्रेगन बोर्ड प्रतियोगिता में भारतीय पुरुष टीम के प्रबंधक नियुक्त हुए।

विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचनात्मक विकास के क्षेत्र में हमारे प्रयत्न उल्लेखनीय रहे हैं। इस वर्ष रूसा (RUSA) के अनुदान से हमने पूर्व की भाँति ही अनेक निर्माण कार्य सम्पन्न किए हैं तथा कुछ निर्माणाधीन हैं। विश्वविद्यालय में इस वर्ष यूजीसी अनुदान से 150 लाख रुपये की लागत से परीक्षा एवं गोपनीय विभाग और भू-सम्पत्ति कार्यालय का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। यूजीसी की हिन्दी विभाग उन्नयन योजना के तहत उन्नयन कार्य सम्पन्न

हुए। विश्वविद्यालय खेल परिसर में इस वर्ष 40 लाख रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप दो सिंथेटिक लॉन-टेनिस कोर्ट बनवाए गए। खेल परिसर में ही 168 लाख रुपये की लागत से स्पोर्ट्स बोर्ड ऑफिस, मल्टीजिम फिटनेस सेंटर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ। केन्द्रीय पुस्तकालय में 11 लाख रुपये की लागत से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आधुनिकतम और वातानुकूलित बैठक व्यवस्था करवाई गई। विज्ञान भवन कम्प्यूटर सेंटर में 200 लाख रुपये की लागत से प्रयोगशाला कक्षा-कक्ष और सेमिनार हॉल का निर्माण करवाया जा रहा है। इसका निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। विधि महाविद्यालय में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया गया है जिसकी लागत 170 लाख रुपये होगी। विश्वविद्यालय में शिक्षा संकाय के लिए भवन निर्माण कार्य प्रगति पर है जिसकी लागत 189 लाख रुपये होगी।

रूसा (RUSA) की मदद से हमने 7 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य किए हैं तथा 7 करोड़ रुपये की लागत से ही मरम्मत के कार्य किए हैं। रूसा के सहयोग से ही 6 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न प्रयोगशाला उपकरण, पुस्तकें, खेलकूद सामग्री की खरीद और भाषा-संचार प्रयोगशाला आदि के विकास के कार्य सम्पन्न करवाए गए हैं।

अब मैं विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति का विवरण आपके सम्मुख प्रस्तुत करता हूँ। विश्वविद्यालय की वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए योजनागत और गैर-योजनागत मद में कुल प्राप्तियाँ 10505.59 लाख रुपये एवं योजनागत और गैर-योजनागत कुल व्यय 11541.45 लाख रुपये रहा। वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट अनुमान के अनुसार विश्वविद्यालय की योजनागत और गैर-योजनागत मद में कुल आय एवं व्यय क्रमशः 10054.75 लाख रुपये एवं 13152.12 लाख रुपये अनुमानित है। आधिक्य व्यय का वहन विश्वविद्यालय में संचालित स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों से अर्जित आय एवं अन्य स्रोतों से किया जाएगा।

अंत में मैं दीक्षान्त समारोह में पधारे सभी महानुभावों के प्रति आभार प्रकट करते हुए एक बार पुनः आज उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

जय हिन्द। जय भारत।।